

इण्डिया फर्स्ट लाईफ ने भारतीय जीवन बीमा उद्योग में सफलतापूर्वक चार साल पूरे किए

मुम्बई। देश की नई एवं सबसे तेज़ी से विकसित होती हुई जीवन बीमा कम्पनियों में से एक, इण्डिया फर्स्ट ने भारतीय बीमा उद्योग में अपने चौथे साल को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 475 करोड़ रु की शेयर पूंजी के साथ, इण्डिया फर्स्ट आज 5000 से ज्यादा बैंक शाखाओं के माध्यम से देश के 1000 से ज्यादा शहरों एवं नगरों में अपनी सशक्त मौजूदगी

बना चुकी है। 16 नवम्बर 2009 में अपनी गतिविधियों को शुरुआत करने के बाद, कम्पनी ने ऐसे साधारण एवं किफ़ायती उत्पादों को पेश किया है, जो आम आदमी के लिए समझने में आसान हैं और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। इस अवसर पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए इण्डिया फर्स्ट लाईफ इन्स्योरेंस के प्रबन्ध निदेशक डॉ. पी नन्दगोपाल ने

बताया, "इण्डिया फर्स्ट में पिछले चार सालों के दौरान हमारी यात्रा बेहद चुनौतीपूर्ण किंतु उत्साहजनक रही है। हमें गर्व है कि हमारे नाम के अनुसार हमने हमेशा से उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ हम हमारे हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहें हैं।" देश में आर्थिक संकट एवं

बीमा उद्योग में मौजूदा बदलावों के बावजूद कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए 34 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है। इस साल के दौरान कम्पनी ने 1.74 मिलियन से ज्यादा जीवन बीमा किए हैं। जहां एक ओर नए बिजनेस प्रीमियम के लिए कम्पनी का परिचालन व्यय 16 फीसदी रहा है, वहीं दूसरी ओर यह जोखिम को सुमायोजित करते हुए अपने

उपभोक्ताओं को बेहतर रिटर्न प्रदान करती आई है। 5000 करोड़ रु के ऋण के साथ, कम्पनी ने 200 से अधिक कोरपोरेट उपभोक्ताओं के साथ कोरपोरेट बिजनेस सेगमेंट में भी बहुत अच्छे प्रदर्शन किया है। "इस साल हम माइक्रो, हेल्थ और पेंशन पर फोकस करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले समय में हम हमारे डिजिटल चैनल एवं वैकल्पिक रेटेल के माध्यम

से हमारी वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएंगे।" डॉ. नन्दगोपाल ने अपनी बात को जारी रखते हुए बताया। कम्पनी की मौजूदा उत्पादों की रेंज स्वास्थ्य, सुरक्षा, बचत एवं सम्पत्ति से जुड़ी सभी ज़रूरतों को पूरा करती है। यह क्रेडिट लाईफ टर्म एवं कर्मचारी देयता से भी सामूहिक बीमा उत्पादों की व्यापक रेंज पेश करती है।